C.B.S.E

कक्षा : 10

विषय : हिंदी 'ब'

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7. पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खण्ड - क

[अपठित अंश]

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: [10]

वार्तालाप की शिष्टता मनुष्य को आदर का भाजन बनाती है और समाज में उसकी सफलता के लिए रास्ता साफ कर देती है। मनुष्य का समाज पर जो प्रभाव पड़ता है, वह कुछ अंश में उसकी उसकी पोशाक और चाल-ढाल पर पर निर्भर रहता है, किंतु विष भरे कनकघटों की संसार में कमी नहीं है। यह प्रभाव ऊपरी होता है और पोशाक का मान जब तक भाव से पुष्ट नहीं होता है, तब तक स्थायी नहीं होता। मधुरभाषी के लिए करनी और कथनी का साम्य आवश्यक है, किंतु कर्म के लिए वचन पहली सीढ़ी है। मधुर वचन ही उत्पन्न कर भय और आतंक का परिमार्जन कर देते हैं। कटुभाषी लोगों से

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

लोग हृदय खोलकर बात करने से डरते हैं। सामाजिक व्यवहार के लिए विचारों का आदान-प्रदान आवश्यक है। और वह भाषा की शिष्टता और स्पष्टता के बिना प्राप्त नहीं होता। भाषा की सार्थकता इसी में है कि वह दूसरों पर यथेष्ट प्रभाव डाल सके। जब बुरे वचन आदमी को रुष्ट कर सकते हैं तो मधुर वचन दूसरे को प्रसन्न भी कर सकते हैं। शब्दों का जादू बड़ा जबरदस्त होता है।

1. किन गुणों के कारण मनुष्य आदर का भाजन बनता है?
2. मधुर भाषी के लिए क्या आवश्यक है?
3. सामाजिक व्यवहार के लिए क्या आवश्यक है?
4. भाषा की सार्थकता किसमें है?
5. उपर्युक्त गद्यांश से हमें क्या शिक्षा मिलती है?
6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. शब्द और पद का भेद स्पष्ट कीजिए। [1]

प्र.3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए। [3]

(क) मोहन हँसकर बोला। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

(ख) राधा नाचती- गाती है। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) निधि रात भर पढ़ती है ताकि परीक्षा देने की तैयारी कर सके। (सरल वाक्य में बदलिए)

प्र. 4. (क) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए। [2]

- कुसुमकोमल
- राधा-कृष्ण

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ख) निम्नलिखित विग्रहों का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए।[2]

- रात-रात ही रात में
- बे-शक के बिना

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए: [4]

(क) मैं यह काम नहीं किया हूँ।

(ख) सिंह बड़ा बीभत्स होता है।

(ग) उसे भारी दु:ख हुआ।

(घ) सविता ने जोर से हँस दिया।

प्र. 6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति करें। [4]

1. राम के बुरे दिन आते ही सभी ने ______________।
2. बेटे ने पिता की सही राय को ______________।
3. नन्हें से बच्चे की चतुराई भरी बातें सुनकर घर आए ______________ गए।
4. पिताजी द्वारा जन्मदिन का उपहार न लाने पर रोहित का चेहरा ______________।

खण्ड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2+2+2=[6]

1. वामीरो अपना गाना क्यों भूल गई?
2. बड़े भाई साहब को अपने मन की इच्छाएँ क्यों दबानी पड़ती थीं?
3. चींटियाँ क्यों भयभीत थी उनका भय सुलेमान ने किस प्रकार दूर किया?
4. 'असल में दोनों काल मिथ्या हैं'- पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. 'डायरी का पन्ना' पाठ के आधार पर बताइए कि पुलिस ने कौन-सा दमनचक्र चलाया और क्यों? लोगों ने किस प्रकार उसका मुँहतोड़ उत्तर दिया?
2. तताँरा की तन्द्रा किसने भंग की?

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। 2+2+2=[6]

1. दीपक दिखाई देने पर अँधियारा कैसे मिट जाता है? कबीर की साखी के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।
2. सच्चे मन में राम बसते हैं- बिहारी दोहे के संदर्भानुसार स्पष्ट कीजिए।
3. पर्वत के हृदय से उठकर ऊँचे-ऊँचे वृक्ष आकाश की ओर क्यों देख रहे थे और वे किस बात को प्रतिबिंबित करते हैं?
4. तोप की क्या विशेषता है?

प्र. 10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. अंत में आत्मत्राण कविता में कवि क्या अनुनय करता है?
2. कवि के अनुसार पशु-प्रवृत्ति क्या है?

प्र. 11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [6]

1. नयी श्रेणी में जाने और नयी कापियों और पुरानी किताबों से आती विशेष गंध से लेखक का बालमन क्यों उदास हो उठता था?
2. इफ्फ़न की दादी को अपने ससुराल में अपने को ढालने में किन असुविधाओं का सामना करना पड़ा स्पष्ट कीजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खण्ड - घ

[लेखन]

प्र. 12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। [6]

- बेरोज़गारी
- आतंकवाद
- वर्तमान युग में इंटरनेट

प्र.13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में पत्र लेखन कीजिए। [5]

1. दसवीं की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद आप क्या करना चाहते हैं? अपने भावी कार्यक्रम के बारे में अपने मित्र को पत्र लिखिए।
2. अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को कक्षा में उपयोगी वस्तुओं की माँग करते हुए प्रार्थना कीजिए।

प्र. 14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 40 से 50 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए। [5]

1. होली मिलन समारोह से संबंधित सूचना पत्र लिखें।
2. अंतर्रविद्यालयी निबंध प्रतियोगिता संबंधित सूचनापत्र लिखिए।

प्र. 15. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 50-60 शब्दों में संवाद लिखें। [5]

1. दो स्त्रियों के बीच पानी की समस्या को लेकर बातचीत पर संवाद लेखन लिखिए :
2. दर्जी और ग्राहक के मध्य संवाद लिखें।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 16. निम्नलिखित विज्ञापनों में से किसी एक विज्ञापन का आलेख 50 शब्दों में तैयार कीजिए। [5]

1. आयुर्वेदिक दन्तमंजन के विज्ञापन लिए विज्ञापन बनाइए।
2. वजन बढ़ाने संबंधी दवाई कंपनी द्वारा दिए गए विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए:

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

C.B.S.E

कक्षा : 10

विषय : हिंदी 'ब'

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7. पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खण्ड - क

[अपठित अंश]

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: [10]

वार्तालाप की शिष्टता मनुष्य को आदर का भाजन बनाती है और समाज में उसकी सफलता के लिए रास्ता साफ कर देती है। मनुष्य का समाज पर जो प्रभाव पड़ता है, वह कुछ अंश में उसकी उसकी पोशाक और चाल-ढाल पर पर निर्भर रहता है, किंतु विष भरे कनकघटों की संसार में कमी नहीं है। यह प्रभाव ऊपरी होता है और पोशाक का मान जब तक भाव से पुष्ट नहीं होता है, तब तक स्थायी नहीं होता। मधुरभाषी के लिए करनी और कथनी का साम्य आवश्यक है, किंतु कर्म के लिए वचन पहली सीढ़ी है। मधुर वचन ही उत्पन्न कर भय और आतंक का परिमार्जन कर देते हैं। कटुभाषी लोगों से

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

लोग हृदय खोलकर बात करने से डरते हैं। सामाजिक व्यवहार के लिए विचारों का आदान-प्रदान आवश्यक है। और वह भाषा की शिष्टता और स्पष्टता के बिना प्राप्त नहीं होता। भाषा की सार्थकता इसी में है कि वह दूसरों पर यथेष्ट प्रभाव डाल सके। जब बुरे वचन आदमी को रुष्ट कर सकते हैं तो मधुर वचन दूसरे को प्रसन्न भी कर सकते हैं। शब्दों का जादू बड़ा जबरदस्त होता है।

1. किन गुणों के कारण मनुष्य आदर का भाजन बनता है?

   उत्तर : वार्तालाप की शिष्टता मनुष्य को आदर का भाजन बनाती है। मनुष्य का समाज पर जो असर पड़ता है वह कुछ अंश में उसकी उसकी पोशाक और चाल-ढाल पर पर निर्भर रहता है। मधुर भाषी होने के साथ उसकी कथनी और करनी में भी समानता उसे आदर का पात्र बनाती है।

2. मधुर भाषी के लिए क्या आवश्यक है?

   उत्तर : मधुरभाषी के लिए करनी और कथनी का साम्य आवश्यक है, किंतु कर्म के लिए वचन पहली सीढ़ी है।

3. सामाजिक व्यवहार के लिए क्या आवश्यक है?

   उत्तर : सामाजिक व्यवहार के लिए विचारों का आदान-प्रदान आवश्यक है। और वह भाषा की शिष्टता और स्पष्टता के बिना प्राप्त नहीं होता।

4. भाषा की सार्थकता किसमें है?

   उत्तर : भाषा की सार्थकता इसी में है कि वह दूसरों पर यथेष्ट प्रभाव डाल सके। जब बुरे वचन आदमी को रुष्ट कर सकते हैं तो मधुर वचन दूसरे को प्रसन्न भी कर सकते हैं। शब्दों का जादू बड़ा जबरदस्त होता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

5. उपर्युक्त गद्यांश से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश हमें जीवन में वार्तालाप का महत्त्व, कब कितना बोलना और मधुर वचन की शिक्षा देती है।

6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक 'मधुर बोली' है।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. शब्द और पद का भेद स्पष्ट कीजिए। [1]

उत्तर : उदाहरण के लिए क, म तथा ल के मेल से 'कमल' बनता है जो एक खास के फूल का बोध कराता है। अतः 'कमल' एक शब्द है।

कमल की ही तरह 'लकम' भी इन्हीं तीन अक्षरों का समूह है किंतु यह किसी अर्थ का बोध नहीं कराता है। इसलिए यह शब्द नहीं है। इसका रूप भी बदल जाता है।

जब कोई शब्द वाक्य में प्रयुक्त होता है तो उसे शब्द न कहकर पद कहा जाता है।

हिन्दी में पद पाँच प्रकार के होते हैं-

1. संज्ञा
2. सर्वनाम
3. विशेषण
4. क्रिया
5. अव्यय

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र.3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए। [3]

(क) मोहन हँसकर बोला। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

उत्तर : सरल वाक्य

(ख) राधा नाचती- गाती है। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर : राधा नाचती है और गाती है।

(ग) निधि रात भर पढ़ती है ताकि परीक्षा देने की तैयारी कर सके। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर : निधि रातभर पढ़कर परीक्षा देने की तैयारी करती है।

प्र. 4. (क) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए। [2]

- कुसुमकोमल
- राधा-कृष्ण

समस्त पद	विग्रह	समास
कुसुमकोमल	कुसुम के समान कोमल	कर्मधारय समास
राधा-कृष्ण	राधा और कृष्ण	द्वंद्व समास

(ख) निम्नलिखित विग्रहों का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए।[2]

- रात-रात ही रात में
- बे-शक के बिना

विग्रह	समस्त पद	समास
रात-रात ही रात में	रातोंरात	अव्ययीभाव समास
बे-शक के बिना	बेशक	अव्ययीभाव समास

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए: [4]

(क) मैं यह काम नहीं किया हूँ।

उत्तर : मैंने यह काम नहीं किया है।

(ख) सिंह बड़ा बीभत्स होता है।

उत्तर : सिंह बड़ा भयानक होता है।

(ग) उसे भारी दु:ख हुआ।

उत्तर : उसे बहुत दु:ख हुआ।

(घ) सविता ने जोर से हँस दिया।

उत्तर : सविता जोर से हँस दी।

प्र. 6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति करें। [4]

1. राम के बुरे दिन आते ही सभी ने उससे मुँह फेर लिया।
2. बेटे ने पिता की सही राय को ठुकरा दिया।
3. नन्हें से बच्चे की चतुराई भरी बातें सुनकर घर आए मेहमान हक्के-बक्के रह गए।
4. पिताजी द्वारा जन्मदिन का उपहार न लाने पर रोहित का चेहरा मुरझा गया।

खण्ड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2+2+2=[6]

1. वामीरो अपना गाना क्यों भूल गई?

उत्तर : वामीरो सागर के किनारे गा रही थी। अचानक समुद्र की ऊँची लहर ने उसे भिगो दिया, इसी हड़बडाहट में वह गाना भूल गई।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. बड़े भाई साहब को अपने मन की इच्छाएँ क्यों दबानी पड़ती थीं?

उत्तर : बड़े भाई होने के नाते वे अपने छोटे भाई के सामने एक आदर्श प्रस्तुत करना चाहते थे। उन्हें अपने नैतिक कर्तव्य का ज्ञान था वे अपने किसी भी कार्यों द्वारा अपने छोटे भाई के सामने गलत उदाहरण रखना नहीं चाहते थे जिससे कि उनके छोटे भाई पर बुरा असर पड़े। इसलिए बड़े भाई साहब को अपने मन की इच्छा दबानी पड़ती थी।

3. चींटियाँ क्यों भयभीत थी उनका भय सुलेमान ने किस प्रकार दूर किया?

उत्तर : चींटियाँ बादशाह सुलेमान की फौज के घोड़ों की टापों से भयभीत थी। उनका भय सुलेमान ने यह कहकर दूर किया कि वे सबके रखवाले हैं। किसी के लिए मुसीबत नहीं बल्कि मुहब्बत है इसलिए चींटियों को भयभीत होने की जरुरत नहीं है।

4. 'असल में दोनों काल मिथ्या हैं'- पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : इस पंक्ति से आशय भूतकाल और भविष्य के मिथ्या होने से है। लेखक के कहने का तात्पर्य यह है कि भूतकाल जो बीत चुका है, उसे वापस नहीं लाया जा सकता इसलिए वह मिथ्या है वहीं दूसरी और भविष्य अभी आया ही नहीं है अतः वह भी मिथ्या है।

प्र. 8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. 'डायरी का पन्ना' पाठ के आधार पर बताइए कि पुलिस ने कौन-सा दमनचक्र चलाया और क्यों? लोगों ने किस प्रकार उसका मुँहतोड़ उत्तर दिया?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर : 26 जनवरी 1931 को गुलाम भारतवर्ष में दूसरा स्वतंत्रता दिवस मनाया गया था। कलकत्ता वासियों ने इस जश्न में बड़े जोर-शोर से भाग लिया था। लोग अपने-अपने मकानों व सार्वजानिक स्थलों पर राष्ट्रीय झंडा फहराकर अपनी देशभक्ति का प्रमाण, राष्ट्रीय झंडे का सम्मान तथा देश की स्वंत्रतता की ओर संकेत देना चाह रहे थे। दूसरी तरफ अंग्रेज इस जश्न को विफल बनाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे थे। पुलिस द्वारा निषेधाज्ञा लागू कर दी गई थी। पार्कों और मैदानों को पुलिस द्वारा सवेरे ही घेर लिया गया था। लोगों को रोकने के लिए पुलिस ने लाठी-चार्ज का भी सहारा लिया। पुलिस ने स्त्रियों को भी नहीं बक्शा उनपर भी लाठी-चार्ज किया, पर इस अत्याचार के बावजूद मोनुमेंट पर भारी तादाद में लोग पहुँचे, झंडा फहराया गया और शपथ पढ़ी जिससे यह साबित हो गया कि वे सरकार द्वारा बनाए अमानवीय कानूनों से नहीं डरते हैं।

2. तताँरा की तन्द्रा किसने भंग की?

उत्तर : एक शाम तताँरा दिनभर के अथक परिश्रम के बाद समुद्र तट पर टहलने के लिए निकला था। विचारमग्न होकर तताँरा वही बालू पर बैठ गया था कि ठीक उसी समय उसे मधुर गीत सुनाई दिया। गीत भी मानो बहता हुआ उसी की ओर आ रहा हो। गायन इतना प्रभावी था कि तताँरा अपनी सुध-बुध खोने लगा। उसी समय लहरों के एक प्रबल वेग ने तताँरा की तंद्रा भंग की।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। 2+2+2=[6]

1. दीपक दिखाई देने पर अँधियारा कैसे मिट जाता है? कबीर की साखी के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : कवि के अनुसार जिस प्रकार दीपक के जलने पर अंधकार अपने आप दूर हो जाता है और उजाला फैल जाता है। उसी प्रकार ज्ञान रुपी दीपक जब हृदय में जलता है तो अज्ञान रुपी अंधकार मिट जाता है। यहाँ दीपक ज्ञान के प्रकाश का प्रतीक है और अँधियारा ज्ञान का प्रतीक है। मन के विकार अर्थात् संशय, क्रोध, मोह, लोभ आदि नष्ट हो जाते हैं। तभी उसे सर्वव्यापी ईश्वर की प्राप्ति भी होती है।

2. सच्चे मन में राम बसते हैं- बिहारी दोहे के संदर्भानुसार स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : बिहारी जी के अनुसार भक्ति का सच्चा रूप हृदय की सच्चाई में निहित है। बिहारी जी ईश्वर प्राप्ति के लिए धर्म कर्मकांड को दिखावा समझते थे। माला जपने, छापे लगवाना, माथे पर तिलक लगवाने से प्रभु नहीं मिलते। जो इन व्यर्थ के आडंबरों में भटकते रहते हैं वे झूठा प्रदर्शन करके दुनिया को धोखा दे सकते हैं, परन्तु भगवान राम तो सच्चे मन की भक्ति से ही प्रसन्न होते हैं।

3. पर्वत के हृदय से उठकर ऊँचे-ऊँचे वृक्ष आकाश की ओर क्यों देख रहे थे और वे किस बात को प्रतिबिंबित करते हैं?

उत्तर : पर्वत के हृदय से उठकर ऊँचे-ऊँचे वृक्ष आकाश की ओर अपनी उच्चाकांक्षाओं के कारण देख रहे थे। वे बिल्कुल मौन रहकर स्थिर रहकर भी संदेश देते प्रतीत होते हैं कि उद्देश्य को पाने के लिए अपनी दृष्टि स्थिर करनी चाहिए और बिना किसी संदेह के

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

चुपचाप मौन रहकर अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आकांक्षाओं को पाने के लिए शांत मन तथा एकाग्रता आवश्यक है।

4. तोप की क्या विशेषता है?

उत्तर : तोप का प्रयोग अंग्रेजों द्वारा 1857 के संग्राम को कुचलने के लिए किया गया था। यह तोप अपने समय की सबसे तेज तोप थी। यही इस तोप की विशेषता है।

प्र. 10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. अंत में आत्मत्राण कविता में कवि क्या अनुनय करता है?

उत्तर : इस पूरी कविता में कवि ने ईश्वर से साहस और आत्मबल माँगा है अंत में कवि अनुनय करता है कि चाहे सब लोग उसे धोखा दे, सब दुख उसे घेर ले पर ईश्वर के प्रति उसकी आस्था कम न हो, उसका विश्वास बना रहे। उसका ईश्वर के प्रति विश्वास कभी न डगमगाए। सुखों के आने पर भी ईश्वर को हर क्षण याद करता रहें।

2. कवि के अनुसार पशु-प्रवृत्ति क्या है?

उत्तर : कवि के अनुसार जो केवल अपने ही हितों के बारे में सोचता है, केवल अपने ही लिए जीता है। सभी के साथ रहते हुए भी केवल अपनी ही भलाई की चिंता में लगा रहता है। ऐसे व्यक्ति को कवि ने पशु के समान बताया है क्योंकि एक पशु भी केवल अपने ही भरण-पोषण का ख्याल रखता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [6]

1. नयी श्रेणी में जाने और नयी कापियों और पुरानी किताबों से आती विशेष गंध से लेखक का बालमन क्यों उदास हो उठता था?

उत्तर : नयी श्रेणी में जाने और नयी कापियों और पुरानी किताबों से आती विशेष गंध से लेखक का बालमन उदास हो उठता था क्योंकि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने के कारण उन्हें हेडमास्टर साहब द्वारा प्रबंध की गयी पुरानी किताबें ही मिलती थी। वे भी अन्य बच्चों की तरह नयी श्रेणी में नयी कापियाँ और किताबें चाहते थे जो उन्हें नहीं मिल पाती थी इसलिए वे उदास हो जाते थे।

2. इफ्फ़न की दादी को अपने ससुराल में अपने को ढालने में किन असुविधाओं का सामना करना पड़ा स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : इफ्फ़न की दादी जमींदार और उदार घराने से ताल्लुक रखती थी। उनके मायके में धार्मिक कट्टरता नहीं थी इसके विपरीत उनके ससुराल का वातावरण कट्टरपंथी था। ससुराल में खाने-पीने से लेकर रीति-रिवाजों को निबाहने में पाबंदियाँ थी। दादी के मायके में जहाँ पूरबी बोली जाती थी वहीं ससुराल में उर्दू बोली का प्रयोग किया जाता था। इस प्रकार आचार-विचार, रहन-सहन, रीति-रिवाज और खान-पान आदि सभी में दादी को असुविधाओं का सामना करना पड़ा।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खण्ड - घ

[लेखन]

प्र. 12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। [6]

बेरोज़गारी

देश में बेरोज़गारी का बढ़ना एक बहुत बड़ी समस्या है। यह समस्या नवयुवकों के लिए निराशा का विषय बनी हुई है। हमारी अधिकांश जनसंख्या बेरोजगारी के कारण भूखे पेट सोने और शिक्षा विहिन रहने के लिए विवश है। उसके पास किसी प्रकार की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है। भारत एक विशाल जनसंख्या वाला राष्ट्र है। जनसंख्या जितनी तेजी से विकास कर रही है, व्यक्तियों का आर्थिक स्तर और रोजगार के अवसर उतनी ही तेज गति से गिरते जा रहे है। भारत जैसे विकासशील राष्ट्र के लिए यह संभव नहीं है कि वह इतनी बड़ी जनसंख्या को रोजगार दिलवा सके। भारत में बढ़ती बेरोजगारी को बड़े पैमाने पर व्याप्त अशिक्षा और भ्रष्टाचार समान रूप से बल प्रदान कर रहे हैं। औद्योगीकरण ने भी बेरोज़गारी के स्तर को हमारे देश में बढ़ाया है। बेरोज़गारी के कारण देश में आपराधिक वारदातों से संबंधित आंकड़ा भी दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। सरकार द्वारा इस समस्या को दूर करने के लिए अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है।

आतंकवाद

आतंकवाद एक विश्वव्यापी समस्या बन गयी है जिसकी जड़ें कई देशों में फैलती आ रही है। आतंकवाद ने विश्व के विभिन्न देशों के इतिहास पर बड़ा असर डाला है। उन्होंने राजा महाराजाओं, राजनेताओं, सरकारों और आरंभिक समय में राजवंशों के परिवर्तन को भी प्रेरित किया है। आतंकवादी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

घटनाओं ने व्यक्तियों तथा राष्ट्रों के भाग्य को-और शायद इतिहास के रुख को भी बदला है।

आज सारे विश्व को आतंकवाद ने घेरा हुआ है। अलग-अलग देशों में हिंसक गतिविधियों के अनेकों कारण हो सकते हैं, परन्तु आमतौर पर यह प्रतिशोध की भावना से शुरू होती है। धीरे-धीरे अपनी बात मनवाने के लिए आतंकवाद का प्रयोग एक हथियार के रुप में किया जाता है। तोड़-फोड़, अपहरण, लूट-खसोट, बलात्कार, हत्या आदि करके अपनी बात मनवाते हैं। जहाँ तक हमारा देश का सवाल है, दुःख की बात यह है कि स्वतंत्रता के पश्चात, भारत अपने पड़ोसी देशों कि वजह से एक प्रतिकूल वातावरण का सामना कर रहा है।

भारत बहुत समय से आतंकवाद का शिकार रहा है। भारत के कश्मीर, नागालैंड, पंजाब, असम, बिहार आदि विशेष रूप से आतंक से प्रभावित रहे हैं। भारत में आतंकवाद की शुरुआत उसी दिन से हो गई थी जब नागा विद्रोहियों ने अपना झंडा बुलंद किया था। उसके बाद यह आग त्रिपुरा, मणिपुर, मिजोरम होते हुए पंजाब तक पहुँच गया। किसी तरह सख्ती करके पंजाब के आतंकवाद पर काबू पाया, पर देश से आतंकवाद पूरी तरह खत्म नहीं हो सका।

आतंकवाद जीवन के सही बोध के अभाव से जन्म लेता है। जब तक मानव जाति को वह बोध उपलब्ध नहीं कराया जाएगा, मानव जाति को आतंकवाद से मुक्ति मिलने वाली नहीं है। आतंकवाद को समाप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक, सामाजिक आदि सभी स्तरों से प्रयास किए जाने चाहिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

वर्तमान युग में इंटरनेट

विज्ञान के अद्भूत चमत्कारों में से एक कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा है। इंटरनेट से तात्पर्य एक ऐसे नेटवर्क से है जो दुनिया भर के लाखों करोड़ों कम्प्यूटरों से जुड़ा है। इस युग की रीढ़ की हड्डी है इंटरनेट। इंटरनेट की सुविधा ने ज्ञान के क्षेत्र में अद्भूत क्रांति ला दी है। हर विषय पर जानकारी प्राप्त करना आसान हो गया है। इंटेरनेट की संकल्पना ने "गागर में सागर" को चरितार्थ कर दिया है।

आज इंटरनेट ने दुनिया को जोड़ने का कार्य किया है। लोग मेल के माध्यम से अपने राज्य या देश से अन्य राज्य या देश में स्थिति कार्यालय से संपर्क स्थापित कर सकते हैं। इससे आने जाने में समय नष्ट नहीं होता और कार्य सुचारू रूप से चलता रहता है। आज इंटरनेट पर देश-विदेश की जानकारी, खेल, मौसम,.फिल्म, विवाह करवाने, नौकरी करने, टिकट बुकिंग, खरीदारी सब-कुछ बड़ी सहजता से संभव हो जाता है। बैंकों, बिल, सूचना संबंधी आवश्यकताओं के लिए लोगों को लंबी कतार में खड़े होने की आवश्यकता नहीं रही है। सब कंप्यूटर के माध्यम से किया जा सकता है। ई कॉमर्स और ई बाजार की दिनानुदिन बढ़ती लोकप्रियता ने सेवा प्रदाताओं और उपभोक्ताओं के बीच की दूरी को मिटा दिया है। ई बैंकिंग ने बैंकिंग सेवाओं को खाताधारकों के द्वार तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाई है। विज्ञान की तरह इंटरनेट वरदान भी है और अभिशाप भी।

इसका दुरुपयोग भी होता है- वाइरस, अश्लील तस्वीरें भेजना, बैंक में से पैसे निकाल लेना आदि। समय की माँग है कि अंतरजाल पर घटित हो रही अवांछित गतिविधिओं पर यथाशीघ्र अंकुश लगाया जाय और इसके दुष्प्रयोग को रोकने के लिए कठोर वैधानिक प्रावधान लाए जायें। सबको

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

इंटरनेट के साथ-साथ उसका उचित उपयोग करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

प्र.13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में पत्र लेखन कीजिए। [5]

1. दसवीं की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद आप क्या करना चाहते हैं? अपने भावी कार्यक्रम के बारे में अपने मित्र को पत्र लिखिए।

   प्रिय अमर

   नमस्ते।

   कल ही परीक्षा का बोझ सिर से उतरा। मेरे सभी प्रश्नपत्र काफी अच्छे गए हैं और करीब 95 अंक प्राप्त होने की आशा है।

   कल से यह सोच रहा हूँ कि दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद क्या करूँगा। मेरे पिताजी चाहते है मैं भी उनकी तरह वकालत करूँ। मैं इंजीनियर बनना चाहता हूँ। यह मेरा बचपन का सपना है।

   मैं पिताजी को मनाने का प्रयास करूँगा। फिर भी इस विषय में तुम्हारी राय जानना चाहूँगा। तुम्हारे पत्र का इंतजार करूँगा। शेष कुशल है।

   तुम्हारा मित्र

   राज

2. अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को कक्षा में उपयोगी वस्तुओं की माँग करते हुए प्रार्थना कीजिए।

   सेवा में,

   प्रधानचार्य

   सरला विद्यालय

   मानिकपुर

   विषय : कक्षा में उपयोगी वस्तुओं की माँग के बारे में विनती पत्र।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

आदरणीय प्रधानचार्य,

मैं विद्यार्थी परिषद का सचिव होने के कारण आपसे कक्षा में उपयोग आने वाली कुछ वस्तुओं की ओर आपका ध्यान दिलाना चाहता हूँ। हमारी कक्षा दसवीं 'अ' में नोटिस लिखने के लिए नोटिस बोर्ड, अतिरिक्त पुस्तकें रखने तथा जरूरी सामान रखने के लिए कपाट नहीं है। जिसके कारण हमें काफी असुविधा होती है।

आशा करता हूँ कि आप हमारी इस समस्या की ओर ध्यान देकर इसे जल्द-जल्द से सुलझाने का प्रयास करेंगे।

भवदीय

रोहन शर्मा

सचिव

प्र. 14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 40 से 50 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए। [5]

1. होली मिलन समारोह से संबंधित सूचना पत्र लिखें।

सूचना

रसिक समाज

होली मिलन समारोह

मालाड

दिनाँक : 28 फरवरी 200xx

रसिक समाज के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया है।

दिनांक - 7 मार्च जून 20xx

समय - प्रातः 11 बजे

स्थान - रसिक समाज सभागार, मालाड

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अत: सभी से निवेदन है कि अधिकाधिक उपस्थिति दर्ज कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएँ।

अध्यक्ष

श्याम चरण अग्रवाल

2. अंतर्रविद्यालयी निबंध प्रतियोगिता संबंधित सूचनापत्र लिखिए।

सूचना

विद्यार्थी समिति

विवेकानंद विद्यालय, दिल्ली

दिनाँक- 18 जून 20 xx

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि अंतर्रविद्यालयी निबंध प्रतियोगिता विद्यालय के सभागार में आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों के नाम आमंत्रित हैं।

दिनाँक - 25 जून 20xx

समय - प्रातः 11 बजे

स्थान - विद्यालय सभागार

विषय - निबंध प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी अपना नाम 21 जून 20□□ तक अपने हिन्दी के अध्यापक को दें।

राजीव शर्मा

विद्यार्थी समिति

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 15. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 50-60 शब्दों में संवाद लिखें। [5]

1. दो स्त्रियों के बीच पानी की समस्या को लेकर बातचीत पर संवाद लेखन लिखिए :

राधिका : अरे! सोहन की माँ सुनती हो?

मधु : हाँ बोलो।

राधिका : आज फिर पानी नहीं आया।

मधु : हाँ, यह तो रोज का ही रोना हो गया है।

राधिका : हम मोहल्ले को मिलकर नगरपालिका ऑफिस में शिकायत करनी चाहिए।

मधु : तुम सही कह रही हो।

राधिका : आज में सेक्रेटरी साहब से कहकर मीटिंग बुलवाती हूँ।

मधु : हाँ, सब मिलकर कुछ समाधान निकाल लेंगे।

राधिका : चलो बहन, फिर मैं सेक्रेटरी साहब से बात कर आती हूँ।

मधु : अच्छा, ठीक है।

2. दर्जी और ग्राहक के मध्य संवाद लिखें।

दर्जी : आइए साहब। नमस्ते।

ग्राहक : नमस्ते।

दर्जी : क्या सिलवाना है?

ग्राहक : सूट।

दर्जी : हाँ जरुर, मैं आपको कपड़े दिखा देता हूँ। आप पसंद कर लीजिए।

ग्राहक : मुझे यह काला कपड़ा पसंद है। इसका क्या दाम है?

दर्जी : यह 200 रु. मीटर है।

ग्राहक : सिलाई के साथ यह मुझे कितने में पड़ेगा?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

दर्जी : आपको 3 मीटर कपड़ा लगेगा। सिलाई के साथ यह आपको 2500 रु .में पड़ेगा।

ग्राहक : बहुत ज्यादा बता रहे है आप!

दर्जी : नहीं साहब अब कपड़ा ही इतना महंगा आता है सूट का, हम क्या करें?

ग्राहक : 2200 रु. दूँगा।

दर्जी : न आपका न मेरा 2300रु.

ग्राहक : ठीक है। कब तक मिलेगा।

दर्जी : एक हफ्ते बाद।

ग्राहक : ठीक है।

प्र. 16. निम्नलिखित विज्ञापनों में से किसी एक विज्ञापन का आलेख 50 शब्दों में तैयार कीजिए। [5]

1. आयुर्वेदिक दन्तमंजन के विज्ञापन लिए विज्ञापन बनाइए।

आयुर्वेदिक हरा दन्तमंजन

रखे अपने दांत, मसूढ़े स्वस्थ

हरे दन्तमंजन के संग

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. वजन बढ़ाने संबंधी दवाई कंपनी द्वारा दिए गए विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए:

हेल्दी वेट टॉनिक

क्या आप वजन बढ़ाना चाहते हैं........?

.....तो आज ही लाइए हेल्दी वेट टॉनिक।

सिर्फ़ दो महीने में पाईए मन चाहा वजन।

वी.सी.सी

हेल्दी वेट टॉनिक

मेडिकल स्टोर में उपलब्ध

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in